

उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
पूरक परीक्षा—जुलाई, 2015
अंक योजना हिन्दी (केन्द्रिक)
कूटबंध सं. 2/1, 2/2, 2/3
कक्षा XII

| प्रश्न सं. | प्रश्न पत्र गुच्छ सं. | | | उत्तर संकेत / मूल्य बिन्दु | निर्धारित अंक विभाजन |
|------------|-----------------------|--------|--------|--|----------------------|
| | 2/1 | 2/2 | 2/3 | | |
| 1 | 1 क | 2 क | 1 क | <ul style="list-style-type: none"> ● स्वार्थ और संघर्ष (अन्य उपयुक्त शीर्षक भी स्वीकार्य।) ● झूठी बातों को सुन कर भी कुछ नहीं कर सकना। ● क्योंकि कुछ कहने और विरोध करने पर सच बोलने वाले के विरोध में वातावरण तैयार करना। | 15 1 |
| | ख | ख | ख | | 1+1 |
| | ग | ग | ग | | 1+1 |
| | घ | घ | घ | <ul style="list-style-type: none"> ● समाचार के तीव्र साधनों की सबलता। ● धैर्य, शांति का अभाव। ● विरोध करने में अक्षम। ● कूटनीति, दंगा-फसाद को देख कर चुप रहना खतरनाक। ● जब हम अपनी जिम्मेदारियों को नहीं समझते। | 2 |



| | | | | | |
|---|---|---|---|--|-------|
| | ड | ड | ड | <ul style="list-style-type: none"> ● भारत वर्ष की आत्मा कभी किसी दंगा-फसाद और टंटे को पसंद नहीं करती। ● अन्याय का विरोध, सच्चाई और भद्रता पर दृढ़ता। | 2 |
| | च | च | च | <ul style="list-style-type: none"> ● संघर्ष से बदलाव संभव। ● स्वार्थी व्यक्तियों से संघर्ष कर आम आदमी को हक दिलाना। | 1+1=2 |
| | छ | छ | छ | <ul style="list-style-type: none"> ● ध्यानस्थ रहकर अपने आराध्य का नाम लेना। ● लगातार नाम (आराध्य, ब्रह्म) का जाप करना। | 2 |
| | ज | ज | ज | <ul style="list-style-type: none"> ● जीवन और मरण — द्वंद्व समास। | 1 |
| | झ | झ | झ | <ul style="list-style-type: none"> ● भले आदमी की यह चाल है कि झूठी बातों को सुनकर चुप रह जाए। (अन्य उचित उत्तर अपेक्षित) | 1 |
| 2 | 2 | 1 | 2 | <ul style="list-style-type: none"> ● निर्झर की तरह सतत प्रवाहमान है। | 1 |
| | ख | ख | ख | <ul style="list-style-type: none"> ● मस्ती और गतिवान ● सुख-दुख, उतार-चढ़ाव | 1 |



| | | | | | |
|---|---|---|---|---|-----------------|
| | ग | ग | ग | <ul style="list-style-type: none"> ● कठिनाइयों और संघर्षों के साथ अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ना। | 1 |
| | घ | घ | घ | <ul style="list-style-type: none"> ● जीवन में सामर्थ्य और पुरुषार्थ ही आगे बढ़ता है। | 1 |
| | ङ | ङ | ङ | <ul style="list-style-type: none"> ● जीवन आगे बढ़ने का नाम। ● सुख-दुख जीवन की सौगात। ● संघर्ष और पुरुषार्थ के साथ आगे बढ़ना। | 1 |
| 3 | 3 | 3 | 3 | <p style="text-align: center;">खंड-ख</p> <ul style="list-style-type: none"> ● भूमिका -1 ● विषय वस्तु -3 ● भाषा -1 | 5 |
| 4 | 4 | 4 | 4 | <ul style="list-style-type: none"> ● आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ -1 ● विषय वस्तु - 3 ● भाषा -1 | 5 |
| 5 | 5 | — | — | <ul style="list-style-type: none"> ● कार्टून द्वारा सरकार तथा तत्कालीन व्यवस्था पर व्यंग्य। ● सरकारी या गैर सरकारी क्षेत्रों में होने वाले कामकाज पर निगाह रखना तथा किसी भी तरह की धांधली का पर्दाफाश करना। | 1×5=5 1 1 |



| | | | | | |
|--|---|---|------------|---|---|
| | ग | — | — | <ul style="list-style-type: none"> पूर्णकालिक अंशकालिक फ्रीलांसर (कोई दो) | 1 |
| | घ | — | — | <ul style="list-style-type: none"> घटनास्थल से प्रत्यक्षदर्शियों के कथन को दिखा कर खबरों को पुष्ट करना। | 1 |
| | ङ | — | — | <ul style="list-style-type: none"> सनसनीखेज एवं किसी प्रसिद्ध व्यक्ति के मान-हनन के लिए की जाने वाली पत्रकारिता। | 1 |
| | — | 5 | — | <ul style="list-style-type: none"> घटनास्थल से प्रत्यक्षदर्शियों के कथन को दिखाकर खबरों को पुष्ट करना। | 1 |
| | — | क | — | | |
| | — | ख | — | <ul style="list-style-type: none"> सरल एवं सहज। आम जनता की भाषाओं के करीब। | 1 |
| | — | ग | — | <ul style="list-style-type: none"> घटनास्थल पर जाकर जानकारी प्राप्त कर समाचार का संकलन करना तथा अखबार को भेजना। | 1 |
| | — | घ | — | <ul style="list-style-type: none"> उदंत मार्तण्ड | 1 |
| | — | ङ | — | <ul style="list-style-type: none"> प्रसार भारती | 1 |
| | — | — | (5) (क) | <ul style="list-style-type: none"> संपादन प्रकाशन | 1 |



| | | | | | |
|---|---|---|---|---|-------|
| | — | — | ख | <ul style="list-style-type: none"> दादा साहेब फाल्के | 1 |
| | | | ग | <ul style="list-style-type: none"> 1556 में गोवा में | 1 |
| | | | घ | <ul style="list-style-type: none"> जिन सूचनाओं या घटनाओं को छिपाने या दबाने का प्रयास किया जाता है उसे गहराई से छान बीन कर उजागर करना। | 1 |
| | | | ङ | <ul style="list-style-type: none"> मुख्य समाचार को। | 1 |
| 6 | 6 | 6 | 6 | <ul style="list-style-type: none"> विषय वस्तु— 2 प्रस्तुति — 2 भाषा — 1 | 5 |
| 7 | 7 | 7 | 7 | <ul style="list-style-type: none"> विषय वस्तु — 3 प्रभावी प्रस्तुति — 1 भाषा — 1 | 5 |
| 8 | 8 | 9 | 8 | <p style="text-align: center;"><u>खंड—ग</u></p> <ul style="list-style-type: none"> घर पहुँचने में देर न हो जाए। क्योंकि बच्चे राह देख रहे होंगे। उनसे मिलने की बेचैनी। | 2×4=8 |
| | ख | ख | ख | <ul style="list-style-type: none"> अपने माता—पिता की प्रतीक्षा में। भोजन करने की आशा में। उनसे मिलने की बेचैनी में। | |



| | | | | |
|--|-----------|-----------|-----------|---|
| | ग | ग | ग | <ul style="list-style-type: none"> ● रास्ते में कोई व्यवधान न हो जाए। ● समय का तेजी से बीतना। ● मंजिल मिलने में देर न हो। |
| | घ | घ | घ | <ul style="list-style-type: none"> ● अपने बच्चे को याद कर। ● अपने घोंसले में जल्दी से जल्दी पहुँचने की इच्छा के कारण। |
| | अथवा क | अथवा क | अथवा क | <p style="text-align: center;"><u>अथवा</u></p> <ul style="list-style-type: none"> ● धनी वर्ग को। ● शोषण करने वाले को। ● ऊँचे-ऊँचे घरों में रहने वाले लोगों को। |
| | ख ग | ख ग | ख ग | <ul style="list-style-type: none"> ● पंक-कीचड़, शोषित वर्ग जलज-कमल, शोषक वर्ग। ● सामाजिक परिवर्तन शोषित वर्ग द्वारा आंदोलन से होता है। ● अत्याचार, अन्याय तथा हिंसा का शिकार भी शोषित वर्ग ही होता है। |
| | घ | घ | घ | <ul style="list-style-type: none"> ● शिशु। ● कठिनाइयों में भी शिशु अनजान बन मुस्कुराता है। ● शोषित वर्ग भी कठिनाइयों में मुस्कुराता है। |



| | | | | | |
|---|--------|--------|--------|---|-------|
| 9 | 9 क | 8 क | 9 क | <ul style="list-style-type: none"> ● लाल केसर से कि जैसे धुल गई हो। ● गौर झिलमिल देह जैसे हिल रही हो। | 2×3=6 |
| | ख | ख | ख | <ul style="list-style-type: none"> ● सूर्योदय से पहले के प्राकृतिक सौंदर्य का चित्रण। ● गतिशील शब्द-चित्र। ● आलंकारिक वर्णन। ● बोलचाल की हिन्दी भाषा। | |
| | ग | ग | ग | <ul style="list-style-type: none"> ● सूर्योदय होने के दृश्य का वर्णन। ● सूर्य ऐसे निकल रहा है जैसे किसी ने काली सिल को केसर से धो दिया है। या किसी ने काली सिल पर लाल खड़िया मल दी हो। ● नीले आकाश से सूर्य ऐसे उदित हो रहा है जैसे कोई गौर वर्णीय युवती नीले जल से बाहर आ रही हो। | |
| | क | क | क | <p style="text-align: center;"><u>अथवा</u></p> <ul style="list-style-type: none"> ● खरगोश की आँखों से ● चमकीली साईकिल से ● ये दोनों अपनी <u>सुंदरता/आकर्षण</u> से किसी को भी आकर्षित कर लेते हैं। | |
| | ख | ख | ख | <ul style="list-style-type: none"> ● मानवीकरण। | |



| | | | | | |
|----|--------------|--------------|--------------|---|-------|
| | | | | <ul style="list-style-type: none"> ● शरद ऋतु डाकिये के समान साइकिल पर सवार घंटी बजाते हुए पुलों को पार करते हुए उत्साह के साथ आ रही है। ● बिंबों के माध्यम से सौंदर्य और अनुभूति का सहज प्रकटीकरण। ● चित्र-बिंब। ● ध्वनि-बिंब। ● गतिशील बिंब। | |
| 10 | ग 10 क | ग 10 क | ग 10 क | <ul style="list-style-type: none"> ● कविता में कल्पना द्वारा उड़ने की सीमा नहीं होती है जैसे ही बच्चों की कल्पना की भी कोई सीमा नहीं होती। ● दोनों कल्पना द्वारा कहीं भी किसी समय जा सकते हैं। ● संवेदनशील रह कर व्यक्ति को वस्तु के रूप में प्रयोग का विरोध। ● बाजार का मुनाफ़े से मतलब लाभ कमाना। ● बाजार के पास संवेदना नहीं। | 3+3=6 |
| | ख ग | ख ग | ख ग | <ul style="list-style-type: none"> ● प्राकृतिक सौंदर्य का चित्रण। ● पक्षी और प्रकृति की सुंदरता की अनुभूति की अभिव्यक्ति। ● कवि की भावनाओं का सुंदरता में विलय। | |



| | | | | | |
|----|---------|---------|---------|--|-------|
| 11 | 11 क | 12 क | 11 क | <ul style="list-style-type: none"> ● अभिजात वर्ग को। ● संसार का वैभव, वस्तु प्राप्त कर भी अतृप्ति। ● संचय की तृष्णा। | 2×4=8 |
| | ख | ख | ख | <ul style="list-style-type: none"> ● संचय की तृष्णा। ● वैभव की चाह। ● धन की ओर झुकाव। ● संतोष न होना—अबलता। | |
| | ग | ग | ग | <ul style="list-style-type: none"> ● जिस व्यक्ति में आत्मिक शक्ति का अभाव होता है, वह निर्बल है और वही संतोष के अभाव में धन की ओर झुकता है। | |
| | घ | घ | घ | <ul style="list-style-type: none"> ● लालची और अतृप्त होना। ● सब कुछ प्राप्त करने की चाह। ● आवश्यकता से अधिक प्राप्त करने की इच्छा। | |
| | क | क | क | <p style="text-align: center;"><u>अथवा</u></p> <ul style="list-style-type: none"> ● विमाता भक्तिन से ईर्ष्या करती थी। ● उसे भय था कि उसका पति संपत्ति में से भक्तिन को कुछ न कुछ देगा। | |
| | ख | ख | ख | <ul style="list-style-type: none"> ● पिता की मृत्यु की सूचना छिपा कर मायके भेजना। ● पहना—ओढ़ा कर तैयार कर उत्साह से भेजना। | |
| | ग | ग | ग | <ul style="list-style-type: none"> ● सास द्वारा मायके भेजने पर उत्साहित, खुशी, पिता की | |



| | | | | | |
|----|--------------|--------------|--------------|--|--------|
| | | | | <p>मृत्यु की सूचना नहीं।</p> <ul style="list-style-type: none"> ● गाँव पहुँचते ही लोगों द्वारा सहानुभूति के स्वर सुन कर दुखी होना, उत्साह ठंडा पड़ जाना। ● पिता की मृत्यु हो गई थी। ● विमाता की सहानुभूति न मिली। ● आदर—सत्कार मायके में न मिलना। ● भक्तिन को उलाहना मिलना। | |
| 12 | घ 12 क | घ 11 क | घ 12 क | <ul style="list-style-type: none"> ● भक्तिन गुण—अवगुण से अछूती नहीं। ● सरल स्वभाव, मेहनती, दृढ़ता। ● पैसे को ऐसे सँभालती कि ऐसी विशेषता दुर्लभ। ● लेखिका के लिए झूठ बोलने से परहेज नहीं, देहातिन की तरह रहना आदि। (अन्य बिन्दु भी स्वीकार्य) | 3×4=12 |
| | ख | ख | ख | <ul style="list-style-type: none"> ● बाजार उसके लिए सार्थक जो क्या खरीदना है, वह जानता है। ● खरीदने वालों की चाहत से ही बाजार की उपयोगितां ● पर्चेजिंग पावर वाले बाजार के महत्व का सत्यानाश कर, उसे विनाशक बना देते हैं। | |
| | ग | ग | ग | <ul style="list-style-type: none"> ● भारतीय समाज में लोक | |



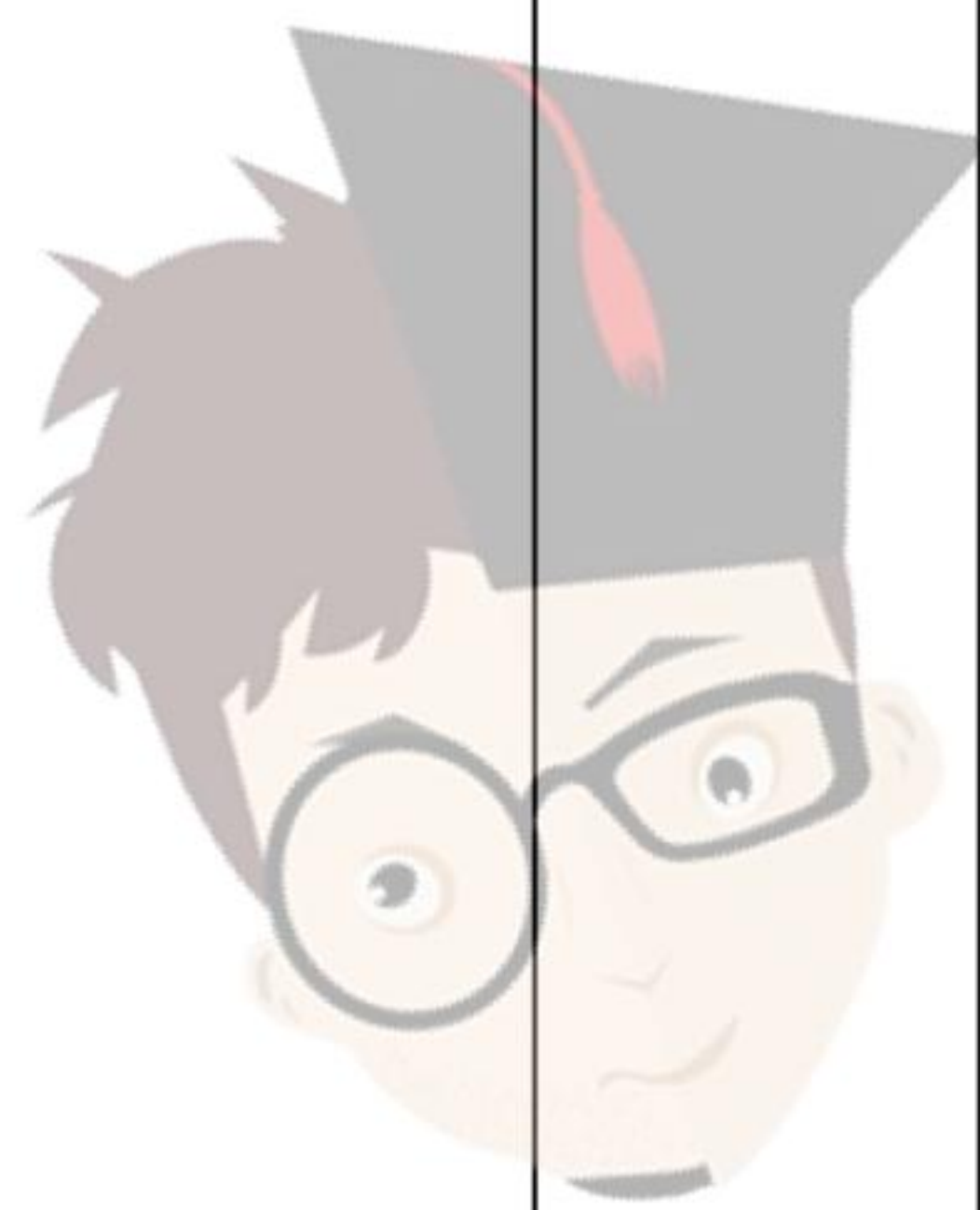
| | | | | | |
|----|----|---|---|---|---|
| | | | | <p>विश्वास व्याप्त।</p> <ul style="list-style-type: none"> ● लोक-विश्वास तथा विज्ञान के बीच द्वंद्व। ● विज्ञान द्वारा सुख-सुविधा की चाहत, विज्ञान के सिद्धांतों को आत्मसात नहीं करना। ● सांस्कृतिक एवं पारंपरिक मूल्यों की अवहेलना। ● लेखक विज्ञान के साथ जबकि जीजी लोक-विश्वास के साथ। | |
| | घ | घ | घ | <ul style="list-style-type: none"> ● श्याम नगर दंगल में जब चाँद सिंह को पछाड़ा। ● राजा साहेब द्वारा पुरस्कार तथा राज-दरबार का पहलवान घोषित। ● चारों तरफ चर्चा। | |
| | ड | ड | ड | <ul style="list-style-type: none"> ● विस्थापन का दर्द जीवन भर चलता है। ● राजनीतिक रेखाओं को भावनाएँ स्वीकार नहीं करतीं। ● यथार्थ परिस्थितिवश आरोपित। ● पुरानी जगहों से लगाव। | |
| 13 | 13 | — | — | <ul style="list-style-type: none"> ● कथन के अनुकूल तथा प्रतिकूल प्रतिक्रियाओं के संदर्भ में बच्चों के मौलिक चिंतन एवं अभिव्यक्ति के आधार पर मूल्यांकन। | 5 |



| | | | | | |
|----|---------|---------|---------|---|--------|
| | — | 13 | — | <ul style="list-style-type: none"> ● समय का पाबंद होना। ● सरल, सहज जीवन, दिखावे से परहेज। ● आदर्श को स्थान देना। (अन्य अपेक्षित बिंदुओं के साथ विद्यार्थियों के चिंतन तथा अभिव्यक्ति अपेक्षित) | |
| | — | — | 13 | <ul style="list-style-type: none"> ● साहस। ● परिश्रम। ● बड़ों का आदर। ● लगन, कर्म के प्रति समर्पण। ● पाठ के संदर्भ में एक-दो उदाहरणों द्वारा स्पष्टीकरण। | |
| 14 | 14 क | 14 क | 14 क | <p>(दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)</p> <ul style="list-style-type: none"> ● आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद पढ़ाई करने की चाहत। ● घर का कामकाज कर स्कूल जाना। ● परिस्थितियों को अपने अनुकूल बनाना। <p>(पाठ के संदर्भ में विद्यार्थियों की अभिव्यक्ति भी स्वीकार्य)</p> | 2X5=10 |
| | ख | ख | ख | <ul style="list-style-type: none"> ● स्त्री का जीवन संघर्षमय। ● पारिवारिक एवं सामाजिक स्तर पर संघर्ष। ● नारी बच्चे को जन्म देते समय पीड़ा व कष्ट सहती है। ● पुरुष अपनी शारीरिक क्षमता के कारण स्त्रियों पर शासन। ● स्त्री युद्ध लड़ने वाले सैनिकों से कम नहीं। | |



| | | | | | |
|--|--|--|--|---|--|
| | | | | <p>(अन्य उपयुक्त बिंदुओं के साथ उत्तर भी स्वीकार्य)</p> <ul style="list-style-type: none"> ● यशोधर बाबू आदर्शवादी व्यक्ति ● यशोधर बाबू का चरित्र समय के साथ तालमेल नहीं बिठा पाता। ● बच्चों की सफलता अच्छी भी लगती है और योग्यता पर संदेह भी होता है। ● भाव और विचार में द्वंद्व। ● आधुनिक मूल्यों को अपनाने ओर छोड़ने में भी द्वंद्व दिखाई देता है। | |
|--|--|--|--|---|--|



collegedunia.com
India's largest Student Review Platform



